शोध पेज नं०
(3)

कॉम्ट के अनुसार, प्रत्यक्षवादी प्रणाली के अन्तर्गत सर्वप्रथम हम अध्ययन-विषय को चुनते हैं और फिर अवलोकन या निरीक्षण (observation) द्वारा उस विषय से सम्बंधित प्रत्यक्ष होने वाले समस्त तथ्यों (Facts) को एकत्रित करते हैं और इसके बाद इन तथ्यों का विश्लेषण करके सामान्य विशेषताओं के आधार पर इनका वर्गीकरण करते हैं और अंत में किसी / उसी विषय से सम्बंधित कोई निष्कर्ष निकालते हैं। इस प्रकार निरीक्षण, परीक्षण और वर्गीकरण प्रत्यक्षवाद की नींव है।

कॉम्ट के प्रत्यक्षवाद या विज्ञान उपस्थित घटनाओं व तथ्यों के बाहर न कुछ देखता है और न पहचानता है अर्थात् जिन घटनाओं और तथ्यों को हम प्रत्यक्ष रूप से देख या निरीक्षण कर सकते हैं, प्रत्यक्षवाद का क्षेत्र वहीं तक सीमित है। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि जो कुछ भी अज्ञेय या अज्ञात है उसको जानने या खोज निकालने का प्रयत्न प्रत्यक्षवाद के अन्तर्गत नहीं आता। इसका तात्पर्य केवल इतना ही है कि प्रत्यक्षवाद अज्ञात और अज्ञेय के पीछे बिना किसी वास्तविक आधार पर दौड़ता नहीं है क्योंकि इस प्रकार काल्पनिक दौड़ दौड़ना किसी भी विज्ञान को शोभा नहीं देता, नहीं किसी प्रकार का "ख्याली पुलाव" पकाकर वह अपने वैज्ञानिक स्तर पर स्थिर रह सकता है। इसलिए प्रत्यक्षवाद घटनाओं (Phenomena) के बाहर या पार जाने का प्रयत्न नहीं करता है क्योंकि केवल घटनाओं को ही जाना जा सकता है। प्रत्यक्षवादी एक समय में केवल उसी सीमा तक देखता या केवल उन घटनाओं का ही अध्ययन करता है जहाँ तक की उस घटना से सम्बंधित तथ्यों का वास्तविक निरीक्षण और परीक्षण संभव हो और जब उस सीमा तक समस्त विषय या घटनाएँ स्पष्ट हो जाती हैं तो उससे आगे और कुछ प्रयत्न करने का प्रयत्न किया जाता है ताकि किसी भी स्तर पर काल्पनिक चिंतन का सहारा लेने का अवसर प्राप्त न हो। डॉ० ब्रिजेस (Dr. Bridges) ने इस सम्बंध में कॉम्ट के दृष्टिकोण का स्पष्टीकरण करते हुए लिखा है कि "कॉम्ट घटनाओं की दुनिया के उस पार अवस्थित गूढ़ रहस्य के सम्बंध में अत्यधिक सचेत थे। इस उन्होंने प्रत्येक पग पर उसी तरह अनुभव करते रहे जिस प्रकार एक नाविक (Sailor) उस अथाह समुद्र के विषय में सचेत रहता है जिसके कि बीच से होकर उसे अपना मार्ग निश्चित करना पड़ता है। लेकिन उस रहस्य के भेद करना मनुष्य का

काम नहीं, इसलिए उसे अपनी क्रियाओं को उस क्षेत्र की ओर मोड़ना होगा अर्थात कि उसका फल उसे मिल सके।"

समाप्त